नवभारत
संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी

लोकतंत्र को मजबूत बनाने वाला फैसला

देश में चुनाव तभी सही और निष्पक्ष कहे जाते हैं, जब मतदाता सूची साफ-सुथरी और सही हो. इसे बेहतर बनाने के लिए केंद्रीय निर्वाचन आयोग ने 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चुनाव से पहले मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण शुरू किया है. यह कदम लोकतंत्र को मजबूत करने की दिशा में बहुत महत्वपूर्ण और स्वागत योग्य है. इस प्रक्रिया का मकसद है नए 18 साल या उससे अधिक उम्र के युवाओं को वोट डालने का मौका देना और साथ ही गलत, मृत या दोहराए गए नाम हटाकर चुनाव को सही बनाना. जब मतदाता सूची पूरी तरह सही होगी, तभी 'एक व्यक्ति, एक वोट' का नारा असली मायने रखेगा.

इस बार यह अभियान अंडमान-निकोबार, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, लक्षद्वीप, मध्य प्रदेश, पुडुचेरी, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में चलेगा. 28 अक्टूबर से शुरू होकर यह काम 7 फरवरी 2026 तक जारी रहेगा. 4 नवंबर से 4 दिसंबर तक बूथ अधिकारी हर घर जाकर मतदाताओं की जानकारी इकट्ठा करेंगे. यह केवल आंकड़ों का काम नहीं, देशवासियों का विश्वास जीतने का भी अभियान है.

युवा वर्ग के लिए यह खास अवसर है क्योंकि पहली बार मतदान करने वाले युवा लोकतंत्र में अपनी ताकत दिखाएंगे और देश के विकास में अपनी भूमिका निभाएंगे. राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी भी बहुत बड़ी है. सभी दलों को चाहिए कि वे इस अभियान का सहयोग करें और इसे राजनीति का साधन न बनाएं. यह समय आलोचना का नहीं, मिलकर काम करने का है. मतदान सूची में गलतियां लोकतंत्र के लिए खतरा हैं, इसलिए सभी को मिलकर सही जानकारी देनी चाहिए और लोगों को मतदाता बनाए रखने में मदद करनी चाहिए. असम को इस बार इस प्रक्रिया से अलग रखा गया है क्योंकि वहां के हालात अलग हैं. यह दर्शाता है कि आयोग ने हर राज्य की खास स्थिति को समझकर फैसला लिया है. मतदाता सूची का यह पुनरीक्षण सिर्फ एक प्रशासनिक काम नहीं, बल्कि देश के लोकतंत्र को मजबूत करने का एक बड़ा कदम है. हर नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह अपना नाम सूची में सही तरीके से दर्ज कराए और अपने वोट का अधिकार इस्तेमाल करे. निर्वाचन आयोग ने रास्ता दिखाया है, अब सभी राजनीतिक दल, संगठनों और जनता को मिलकर इसे एक जन आंदोलन बनाना होगा. दरअसल,जब मतदाता सूची सही होगी, तभी हमारा लोकतंत्र सशक्त और हमारा देश प्रगति की ओर बढ़ेगा. यह अवसर हर नागरिक को अपनाना चाहिए और लोकतंत्र को मजबूत करने में अपना योगदान देना चाहिए. क्योंकि मजबूत मतदाता सूची ही मजबूत भारत की पहचान है.

बहरहाल, निर्वाचन आयोग की पत्रकार वार्ता के बाद कतिपय राजनीतिक दलों ने इस प्रक्रिया का विरोध किया है. इस संदर्भ में हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि सुप्रीम कोर्ट ने निर्वाचन आयोग को मतदाता गहन परीक्षण के लिए हरी झंडी दी है. दरअसल,निर्वाचन आयोग एक संवैधानिक संस्था है जिसे मतदाता सूची को दुरस्त करने का अधिकार हमारे संविधान ने दिया है. इसलिए राजनीतिक दलों को इस प्रक्रिया में सहयोग करना चाहिए ना कि इस पर

महागठबंधन में अंदरुनी घमासान बरकरार

दिलीप झा

बिहार विधानसभा 2025 के चुनाव दो चरणों में होने जा रहा है।6 नवंबर को पहला और 11 को दूसरे चरण का मतदान होगा और 14 को नतीजे आएंगे। चुनाव प्रचार चरम पर है। सभी राजनीतिक विश्लेषक अपने अपने तरीके से इसे आंकलन कर रहे हैं कि बिहार की जनता सुशासन और प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए किस दल पर अपना भरोसा जताती है यह देखने वाली बात होगी। लेकिन ऐसा माना जा रहा है कि वोटर लिस्ट से 65 लाख फर्जी वोटर मतदाता सूची से बाहर होने के बाद राजनीतिक सियासी गलियारों में जबरदस्त बौखलाहट है। इसके खिलाफ कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल अर्थात राजद ने लगातार 16 दिनों तक वोटर अधिकार यात्रा निकाली। खासकर इस यात्रा में सीमांचल क्षेत्रों में लोगों की भीड़ जबरदस्त उमड़ी। एक समय ऐसा लग रहा था कि नीतीश के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के लिए फिर सत्ता में लौटना बहुत मुश्किल होगा। लेकिन इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के चाणक्य अमित शाह की रणनीति से बिहार के सर्वांगीण विकास का खाका तैयार कर जनता के समक्ष रखा गया। पहली बार बिहार के समग्र विकास के लिए कमिश्नरी स्तर पर अलग अलग योजनाएं बनाई गई। एनडीए सरकार ने वृद्धा पेंशन को 400 से बढ़ाकर 1100 रुपये कर दिया और करोड़ों महिलाओं को छोटे रोजगार शुरू करने के लिए दस दस हजार की आर्थिक मदद दी गई। वहीं, इंडिया गठबंधन से राष्ट्रीय जनता दल की ओर से सरकार बनने पर हर परिवार को एक सरकारी नौकरी देने के वादे किए गए। लेकिन अब देखना ये होगा कि इन घोषणाओं से जनता के वोट को अपने पक्ष में करने में किस दल को सफलता मिलती है। इस चुनाव में महिला मतदाताओं के महत्व को समझते हुए सभी दलों ने महिला उम्मीदवारों को ज्यादा टिकट दिए हैं। इसके पीछे वजह का गणित यह है कि बिहार में महिलाएं पुरुषों की तुलना में ज्यादा वोट करती है। खासकर तीन चरणों वाले 2020 के चुनाव में उत्तर बिहार के दस जिलों में पुरुषों की तुलना में महिलाओं का मतदान 10 प्रतिशत ज्यादा रहा। यहीं वजह है कि इस बार 143 सीटों पर चुनाव लड़ रही राजद ने 16.8 प्रतिशत महिलाओं को मैदान में उतारा है।

> इधर, महागठबंधन ने आखिरकार तेजस्वी को अपना मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित कर दिया है लेकिन ऊपरी तौर पर दिखाई जा रही एकता के बीच अंदरुनी घमासान बरकरार है। सीटों के लिए महागठबंधन में अभी भी खींचतान की स्थिति है। तेजस्वी को सत्ता पक्ष के नेता उनके पिता लालू प्रसाद यादव के जंगल राज शासन की याद दिलाकर घेर रहे हैं। वहीं,एनडीए जातिगत कार्ड से हटकर विकास और सुशासन को जनता के सामने रखने में कितना सफल होता है यह परिणाम आने के बाद पता चलेगा। इस चुनाव में एक नये राजनीतिक दल जन सुराज पार्टी का उदय हुआ है. प्रशांत किशोर ने पिछले एक साल से नया बिहार बनाने के लिए पूरे राज्य का दौरा कर लोगों से बदलाव की अपील की। लेकिन बिहार चुनाव के प्रथम चरण की तारीख नजदीक आते वे आरोप से घिर गए हैं। दो राज्यों में उनके वोटर कार्ड बने हैं। चुनाव आयोग ने उन्हें नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। सूत्र बताते हैं कि जनसुराज पार्टी पर दक्षिण राज्य तेलंगाना और तमिलनाडू से चुनाव में फंडिंग के आरोप लग रहे हैं। कहा जा रहा है कि चुनाव के बाद इसकी सीबीआई जांच होगी।

वहीं,बीजेपी और जदयू दोनों 101-101 सीटों पर चुनाव लड़ रही है और दोनों दलों ने 13.1 प्रतिशत महिलाओं को टिकट दिए हैं जबकि 61 सीटों पर लड़ रही कांग्रेस ने 8.6 प्रतिशत महिलाओं को टिकट दिए हैं। 2020 के चुनाव में कांग्रेस ने 70 सीटों पर चुनाव लड़ा था लेकिन उसे महज 19 सीटों पर ही जीत मिली थी। इसके पीछे कई कारण हैं। सबसे प्रमुख कारण कांग्रेस की कमजोर सांगठनिक क्षमता है। दूसरी वजह की चर्चा पूरे बिहार में जोर शोर से हो रही है कि यह राजद की पिछलग्गू पार्टी है। कभी देश की सर्वव्यापी पार्टी रही कांग्रेस के ऊपर पिछलग्गू का ठप्पा लगने के कारण बिहार की जनता में यह संदेश है कि पिछले 40 वर्षों से कांग्रेस कभी भी दमदारी से चुनाव नहीं लड़ी है। इस बार के चुनाव में भी कांग्रेस अंदरुनी घमासान से बुरी तरह जूझ रही है। हिंदीभाषी राज्य में दक्षिण राज्य आंध्र प्रदेश से बिहार में चुनाव प्रभारी बनाए गए कांग्रेस नेता कृष्णा अल्लाबरू के खिलाफ कांग्रेस कार्यकर्ताओं में जबरदस्त आक्रोश दिखा। उनपर टिकट चोरी के आरोप भी लगे। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पटना के सदाकत आश्रम में कृष्णा टिकट चोर , बिहार छोड़ की तख्तियां लेकर धरना प्रदर्शन किया। इसके बाद कांग्रेस आलाकमान ने राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और अजय माकन को पटना भेजा। उन्होंने असंतुष्टों से बात की लेकिन तब तक पूरे बिहार में के कांग्रेसियों में यह संदेश फैल गया कि टिकट वितरण में धांधली हुई। कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि फिलहाल बिहार चुनाव प्रभारी कृष्णा को चुनाव से दूर रहने के लिए कहा गया है। वहीं, छत्तीसगढ़ से देवेंद्र यादव और उत्तर प्रदेश से सुरेश पासी और शहनवाज आलम को बिहार चुनाव में सह प्रभारी बनाए गए जिनका चुनाव लड़ने-लड़वाने से दूर दूर तक कोई नाता नहीं रहा है। हालांकि चुनाव की घोषणा से पूर्व राहुल गांधी की बिहार रणनीति से ऐसा प्रतीत हो रहा था कि वह इस बार राजद के पल्लू को छोड़कर अपनी खिसकी हुई राजनीतिक जमीन को तराशने में वह कामयाब होंगे लेकिन फिर कमजोर सांगठनिक ढांचा के कारण संभवत वह ऐसा नहीं कर सके।

(लेखक नवभारत भोपाल के संपादक हैं)

गोवंश संरक्षण-संवर्द्धन

गोपालन के लिए मप्र सर्वाधिक अनुकूल राज्य

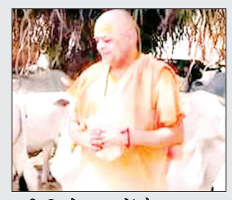

गाय और गोवंश के महत्त्व को वर्तमान समय में रेखाँकित करना समय की अनिवार्य आवश्यकता है,यद्यपि गाय और सम्पूर्ण गोवंश की विशेषताओं के सम्बन्ध में लिखना सूर्य को दीपक दिखाने जैसा ही जान पड़ता है। जैसे सूर्य को उद्घाटित या प्रकाशित करने के लिये किसी भी अन्य प्रकाश की आवश्यकता नहीं उसी प्रकार गाय(भारतीय गोवंश)के महत्त्व को प्रतिपादित करने के लिये अन्य किसी भी उदाहरण की अपेक्षा नहीं क्योंकि जैसे सूर्य का अन्य कोई विकल्प न होकर सूर्य स्वयं ही अपना विकल्प है,जैसे अमृत स्वयं ही अमृत का विकल्प है उसी प्रकार गाय का कोई दूसरा विकल्प जगतीतल पर नहीं, वह तो स्वयं ही स्वयं का विकल्प है।भारतीय गोवंश तो सर्वथा अनुपमेय है। सृष्टि की विभिन्न संरचनाओं में पशु आकृति में वस्तुतः गाय देवता है। स्वर्ग में इसे कामधेनु,सुरभि,नंदिनी जैसे अनेक नामों से पुकारा जाता है। स्वर्गस्थ कामधेनु के नाम,रूप,गुण और धर्म का प्रतिनिधित्व करने वाली गाय(गोवंश)को पृथ्वी लोक में भी समस्त ऐश्वर्यों को देने वाली देवी गो लक्ष्मी कहा गया है।भारतीय धर्मग्रन्थों और सभी शास्त्रों एवं वेदोपनिषदों में गोवंश(गाय)का अद्भुत् और विशद् महत्त्व प्रतिपादित हुआ है।

विधाता की इस चित्र-विचित्रात्मक सृष्टि में अनेक जीवों की रचनायें मानव को विस्मय में डाल देने वाली हैं किन्तु विस्मयकारी रचनाओं में तो गाय वास्तव में गहन चिन्तन और विश्लेषण पूर्वक अनुसंधान का आधार है। विधाता की सृष्टि दो प्रकार से सृजित है,पहली मुखर सृष्टि और दूसरी मूक सृष्टि। मुखर सृष्टि का प्रतीक मानव है तो मूक सृष्टि का प्रतीक गाय। सनातन धर्म की मान्यता के अनुसार सर्वशक्तिमान परमात्मा दोनों ही प्रकार की सृष्टि का परमपिता है,उसे अपनी बनाई सृष्टि और उसका प्रत्येक सृजन अत्यंत प्रिय है।जब-जब उसकी सृष्टि के सृजन पर संकट आता है वह धरती पर अवतरित होता है इसी अवतरण को हिन्दू धर्म में अवतारवाद कहा गया है। सृष्टि के सृजनकर्ता, पालनकर्ता परमात्मा के अवतार का प्रयोजन महत्त्वपूर्ण माना गया है जिसके लिये श्रीमद्भगवद्गीता और रामायण जैसे लोकप्रिय ग्रन्थों में स्पष्ट रूप से वर्णन है:-

विप्र धेनु, सुर,संत हित-लीन्ह मनुज अवतार

सृष्टि संचालन और उसके दीर्घकाल तक संरक्षण के चार महत्त्वपूर्ण उपकरण हैं जिनमें विप्र, गाय,देवता और श्रेष्ठ जीवन जीने वाले महापुरुष अर्थात् सन्त का उल्लेख है। जैसा कि मैं ऊपर की पंक्तियों में उल्लेख कर चुका हूँ, सृष्टि दो प्रकार की है एक मुखर और दूसरी मूक। विप्र शब्द मुखर सृष्टि का उपलक्षण है तथा धेनु(गाय)शब्द मूक सृष्टि का उपलक्षण है। सुर अर्थात् देवता और सन्त माने श्रेष्ठ जीवन जीने वाला समूह। देव और संत ये दोनों ही मानव आकृति में विशिष्ट गुणों का प्रतिनिधित्व अपने आचरणों के माध्यम से करते हैं। देवों में देने का गुण है(देवता सरल और उदार वृत्ति का प्रतिनिधित्व करते हैं)तथा सन्त श्रेष्ठ जीवनमूल्यों के संरक्षण एवं उन जीवन मूल्यों के पोषण हेतु सतत् सक्रिय रहकर उनके प्रचार-प्रसार में महनीय योगदान करते हैं। सन्तों की मूलवृत्ति शोधपरक अन्वेषणात्मक होती है जो प्रत्येक काल,प्रत्येक युग में प्रासंगिक होती है अतः भगवान् भी इन्हीं तत्त्वों और वृत्तियों के रक्षण एवं उनके पुनर्स्थापन का कार्य अपने अवतरण या अवतार काल में करते हैं। हमारे धर्मग्रन्थों में पृथ्वी के धारक तत्त्वों का उल्लेख है वह इस प्रकार है:-

गोभिर्विप्रैश्च वेदैश्च सतीभिः सत्यवादिभिः।
अलुब्धैर्दानशीलैश्च सप्तभिर्धारयते मही॥

सुखी गायें,विप्र, वेदज्ञ,पतिब्रता स्त्री,सत्यवादी, निर्लोभी और दानशीलजन। इनके कारण ही पृथ्वी सुरक्षित और संरक्षित रहती है। स्वतंत्र भारत में गोवंश रक्षण की दृष्टि से किये गये प्रयासों पर भी एक दृष्टि डालना इसलिए भी आवश्यक है कि आजादी प्राप्ति के बाद भी विगत 78वर्षों से अनेक अभियान, अनुष्ठान एवं आन्दोलनों के सक्रिय रहते स्वतंत्र भारत के नागरिक गोवंश संरक्षण एवं गो संवर्द्धन हेतु आज भी असफलता का अनुभव कर रहे हैं, क्यों? 15अगस्त1947को भारत स्वतंत्र हो जाने के बाद देश में बेहद प्रसन्नता का माहौल था,स्वाभाविक है देशवासियों का प्रसन्न होना;एक हजार वर्ष की गुलामियत की जंजीर से जकड़ा प्रत्येक देशभक्त प्रसन्नता से प्रफुल्लित था।अब स्वतंत्र भारत में भारतीय संस्कृति के मानक जो पराधीनता के कालखण्ड में प्रायः ध्वस्त कर दिये गये थे-जीर्ण ,शीर्ण अवस्था में पड़े उन मानकों को पुनर्जीवन की सम्भावना एवं उनके पुनरुद्धार का विचार स्वतंत्र भारत के तत्कालीन नागरिकों, यहाँ के अध्यात्म साधकों,धर्म-समुदाय एवं साँस्कृतिक जीवन मूल्यों के पक्षधरों,साधु-संत,महात्मा एवं सज्जन प्रकृति के संस्कृति उपासकों के मन में आकार ले रही थी तथा स्वतंत्र भारत के तत्कालीन शासकों के समक्ष उन्होंने अपनी आवाज उठाई और तर्क दिया कि जब इस्लामिक उसूलों के संरक्षण एवं उन उसूलों के विकास हेतु देश का एक बड़ा भू-भाग उन्हें दे दिया गया और भारत का दुर्भाग्यपूर्ण विभाजन हम सबने स्वीकार कर लिया तब शेष भारत को धर्मसापेक्ष्य घोषित कर देना चाहिए ताकि परम्परा से प्राप्त सनातन जीवनमूल्य और हिन्दू जीवन पद्धति पूर्णतः सुरक्षित हो एवं उन्नयन-विकास और उसके प्रचार-प्रसार का समुचित मार्ग स्वतंत्र भारत में प्रशस्त हो,इस प्रकार के चिंतन में पूज्य महात्मा गाँधी का वह विचार भी समाहित था जो स्वाधीनता संग्राम के दिनों में वे अपनी दैनिक प्रार्थना सभा में या अपने सार्वजनिक उद्बोधनों में कहा करते थे कि- स्वराज प्राप्त करने से भी मेरे लिये अहम् और बड़ा प्रश्न भारतीय गोवंश की रक्षा करना है,उनकी स्पष्ट रूप से स्वीकारोक्ति थी कि-हमारे सनातन जीवन मूल्यों में गाय और गोवंश का रक्षण और उसका संवर्द्धन सर्वोपरि है तथा हम हिन्दू गाय को माँ का दर्जा देते हैं; उसका सम्मान करते हैं,महात्मा गाँधी का स्पष्ट मानना था कि- भारत की आर्थिक समृद्धि का मुख्य आधार हमारा भारतीय गोवंश है,भारतीय कृषि की समुन्नति का द्वार गोवंश के सहयोग से ही खुलता है। अतः स्वतंत्र भारत में उसकी उपेक्षा नहीं की जायेगी। गोवंश संरक्षण हेतु वे कठोर कानून के प्रबल पक्षधर थे,वे चाहते थे सम्पूर्ण गोवंश की हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध वाला कानून स्वतंत्र भारत में बनाया जाये इसके लिये वे सार्वजनिक मंचों के अतिरिक्त काँग्रेस पार्टी की बैठकों में तथा अपनी प्रार्थना सभाओं में निरंतर विचार प्रस्तुति के साथ-साथ आम नागरिकों से आह्वान भी करते थे ।

महामण्डलेश्वर, स्वामीअखिलेश्वरानंद गिरि

विदेशी महिला क्रिकेटर से छेड़छाड़

मंत्री की विचित्र प्रतिक्रिया

मध्यप्रदेश पुलिस की तारीफ की जा रही है कि उसने इंदौर में 2 ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेटर को छेड़ने वाले मनचले को तत्परता से पकड़ लिया और उसकी अच्छी तरह धुनाई भी की. इसके बावजूद प्रदेश के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की यह प्रतिक्रिया विचित्र है कि खिलाड़ियों को इस घटना से सीख लेनी चाहिए. वह जब भी अपने स्थान से बाहर जाएं तो सुरक्षा व प्रशासन को इस बारे में सूचित करें. उन्होंने इंग्लैंड के मशहूर फुटबॉल खिलाड़ी का उदाहरण दिया जिसके युवकों ने कपड़े फाड़ दिए. मंत्री को उस खिलाड़ी का नाम याद नहीं आया लेकिन संभवतः वह डेविड बेकहम रहा होगा. एक पुरुष खिलाड़ी के कपड़े फाड़ने और महिला क्रिकेटरों को स्पर्श कर छेड़छाड़ करने में अंतर होता है. मंत्री ने मनचले की निंदा करने की बजाय महिला क्रिकेटर को नसीहत दे डाली. यह कैसी मानसिकता है? अपने होटल से निकलकर कुछ दूर तक पैदल चलने पर इन महिलाओं को ऐसे बुरे अनुभव से गुजरना पड़ा. ऐसी विकृत मानसिकता वाले लोगों को देखते हुए ही अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा आदि देश अपने यहां की भारत जाने वाली महिलाओं को यात्रा में बरती जाने वाली सुरक्षा के प्रति ट्रैवल एडवायजरी के जरिए सतर्क करते हैं. आखिर अंतरराष्ट्रीय स्तर की महिला क्रिकेटरों के लिए कुछ तो सुरक्षा प्रोटोकॉल रहना चाहिए. बीसीसीआई व अन्य खेल संगठन इसे गंभीरता से लें. भारत ने 2030 में अपने यहां कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी का दावा किया है. वह 2036 के ओलंपिक भी अपने यहां कराने के लिए प्रयत्नशील है. ऐसे आयोजनों में सैकड़ों विदेशी महिला खिलाड़ी आएंगी. उनकी मनचलों से रक्षा के बारे में बेहद सतर्क रहना पड़ेगा. ऐसे भी पिछले वर्ष लगभग 99 लाख विदेशी पर्यटक भारत आए थे. जिनमें से आधी महिलाएं रही होंगी.

किसी विदेशी से लूटपाट करने, ठगने, छेड़छाड़ व दुष्कर्म करने की घटना देश के नाम को बट्टा लगाती है. गोवा जैसे पर्यटन स्थल पर भी ऐसा हुआ है. इसलिए अतिथि देवो भव कहने के साथ ही सुरक्षा प्रबंध मजबूत होने चाहिए.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

देसी कुत्तों के आए अच्छे दिन सुरक्षा बलों में हुए शामिल

पड़ोसी ने हमसे कहा, निशानेबाज, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीएसएफ व सीआरपीएफ जैसे अर्धसैनिक बलों की इस बात के लिए प्रशंसा की है कि उन्होंने उनका सुझाव मानकर रामपुर हाउंड, मुधोल हाउंड और कोंबई, मांग्रेल, पांडिकोना जैसी देसी प्रजाति के कुत्तों को फोर्स में शामिल कर लिया है. इन श्वानों को बेंगलुरू के डॉग स्कूल में प्रशिक्षित किया जा रहा है. गत वर्ष लखनऊ में अ.भा. पुलिस ड्यूटी सम्मेलन के दौरान बेस्ट डॉग का खिताब पाने वाले दिया नामक मुधोल हाउंड का प्रधानमंत्री ने विशेष रूप से उल्लेख किया. अब आप बताइए कि देसी कुत्तों के बारे में आपकी क्या राय है.

हमने कहा, देसी हो या विदेशी, डॉग इज बेस्ट फ्रेंड ऑफ ए मैन. भगवान दत्तात्रेय के चित्र में उनके साथ एक गाय और 4 कुत्ते दिखाई देंगे. भैरव का वाहन कुत्ता है. सम्राट युधिष्ठिर जब स्वर्गारोहण के लिए चले तो उस कठिन मार्ग में उनके चारों भाई और द्रौपदी का देहांत हो गया लेकिन युधिष्ठिर के साथ उनका पालतू कुत्ता चलता रहा. स्वर्ग के द्वार पर पहरेदारों ने कहा कि आप भीतर आइए लेकिन कुत्ता यहां नहीं ला सकते. युधिष्ठिर ने जिद पकड़ी कि अपने वफादार कुत्ते के बगैर मैं स्वर्गलोक आना पसंद नहीं करूंगा, फिर कुत्ता धर्म के रूप में प्रकट हो गया और उसके साथ युधिष्ठिर स्वर्ग में प्रवेश कर गए.

पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, आपको पौराणिक बातें बताने का बड़ा शौक है. हमें वैज्ञानिक तरीके से कुत्ते की विशेषता बताइए.

हमने कहा, कुत्ते की सुनने और सूंघने की शक्ति इंसान से 36 गुना ज्यादा होती है. वह हल्की सी आहट भी सुनकर चौकन्ना हो जाता है. किसी फरार अपराधी या आतंकवादी का कपड़ा, जूता या कोई वस्तु सुंघा दो तो उसकी गंध से प्रशिक्षित कुत्ता अपराधी को पकड़ लेगा. पुलिस और फौज में कुत्ते पाले जाते हैं जो आम तौर पर लेब्राडोर या डोबरमैन जैसी विदेशी प्रजाति के होते हैं. इन कुत्तों को विशेष डॉगफूड, कॅल्शियम, प्रोटीन देना पड़ता है. हमारे गर्म देश में इनके स्वास्थ्य की काफी देखभाल करनी पड़ती है. उन्हें वेटरनरी डॉक्टर के पास ले जाना पड़ता है. इसके विपरीत देसी नस्ल के कुत्ते हर मौसम को बर्दाश्त कर लेते हैं. उनकी क्षमता व कुशलता विदेशी कुत्तों से जरा भी कम नहीं होती. इसलिए पीएम मोदी ने कुत्तों के मामले में भी वोकल फॉर लोकल का संदेश दिया है. कुत्ते का महत्व इस बात से समझिए कि रोमन स्क्रिप्ट के अक्षर जीओडी (गॉड) को उल्टा लिख दिया जाए तो वह डीओजी माने डॉग बन जाता है.

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12064
- डॉ. सागर खादीवाला

1	2		3	■	4	5	6
7		■	8				
	■	9		■	10		■
11	12					■	13
14			■	15			
■		■	16		■	■	
17			■	18	19		
20		■	21			■	

बाएं से दाएं

1. . जिसमें पांच अक्षर हो, शिव का एक मंत्र जिसमें पांच अक्षर होते हैं- ? नमः शिवाय (सं.) 4. सुग्गा, तोता, सहिजन का पेड़ 7. छिपकर किसी की वस्तु लेने वाला 8. नवरात्र में पूजनीय नौ कुमारियां (सं) 9. दूध का खोया 10. समाना 11. खुशामद करने वाला (उर्दू) 14. दया, करुणा, कृपा (उर्दू) 15. ऊंचे स्थान से नीचे लाना, पहनी हुई वस्तु को अलग करना 16. बहुत बारीक पिसा हुआ और चोकर निकाला हुआ आटा (उर्दू) 17. धीमा शब्द, उड़ती खबर 18. रफू करने वाला (उर्दू) 20. कहीं से कोई वस्तु लेकर आना, उपस्थित करना, देना या सामने रखना 21. नीचे के सप्त लोकों में से सबसे नीचे का लोक

ऊपर से नीचे

1. गंध पुष्प धूप दीप और नैवेद्य यह पांच पूजन के साधन, इन द्रव्यों से किया गया पूजन 2. सोलह का वर्गमूल, चिरौंजी का पेड़ 3. अंतपुर, रानियों के रहने का महल 4. कोमलता, नजाकत, सुकुमार होने का भाव 5. गंवाना, खोना 6. स्त्री 9. ज्ञात, जाना हुआ, प्रकट, विदित (उर्दू) 12. किसी वस्तु की आकृति रंग-रूप आदि से परिचित होना 13. किसी वस्तु पर पड़ा आवरण या पर्दा हटाना 15. दानशीलता, उच्च विचार 17. जो स्वभाव से अच्छा हो, उत्तम प्रकृति का, सज्जन 19. पुष्प, कुसुम, सुमन

Solution 12063

क	ड़ा	का	■	नी	ग	म	नं
टी	■	य	दा	क	दा	■	ट
ती	मा	र	दा	री	■	सा	रा
■	फी	ता	■	■	पू	र्व	ज
या	दा	■	अ	च	र	ज	■
न	र	म	■	प्र	■	नि	त
र	■	ग	ला	■	शं	क	र
■	प	र	ख	■	का	■	स

ज्योतिषाचार्य प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में मित्र के सहयोग से आर्थिक कष्ट दूर होगा, सामाजिक कार्यो में ख्याति प्राप्त होगी, वर्ष के मध्य में साहसपूर्ण कार्यो में यश प्राप्त होगा, जल्दबाजी के कार्यो से बचें, वर्ष के अन्त में शिक्षा के क्षेत्र में व्यवधान आयेगा, धार्मिक कार्यो में व्यय और रूचि रहेगी, परिश्रम और भागदौड़ सफ्ल होगा.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को साहसपूर्ण कार्यो में सफ्लता मिलेगी, जल्दबाजी में लिये गये निर्णयों से शंका प्राप्त होगी, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को लेखनादि कार्यो में सफ्लता प्राप्त होगी, सिंह राशि के व्यक्तियों को व्यापार व्यवसाय में प्रगढ़ता आयेगी, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को परेशानी आ सकती है, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को संयम से काम लेना हितकर रहेगा, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को सामाजिक कार्यों में ख्याति प्राप्त होगी.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक सुन्दर, सुशील, एवं मिलनसार होगा, अपने कार्य में किसी का हस्तक्षेप पसंद नहीं करेगा, सेवा की भावना इनमें अधिक होगी, इनका सादा और आदर्शवादी जीवन रहता है, माता पिता का आदर करते हैं.

उदयकालीन ग्रह चाल

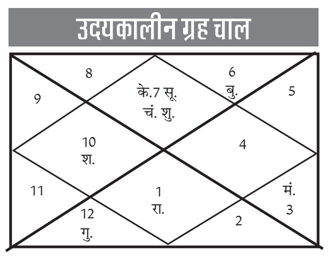

पंचांग

रा.मि. 07 संवत् 2082 कार्तिक शुक्ल अष्टमीं बुधवासरे रातअंत 4/52, उत्तराषाढ़ नक्षत्रे दिन 1/53, शूल योगे रातअंत 4/43, विष्टि करणे सू.उ. 6/26, सू.अ. 5/34, चन्द्रचार मकर, शु.रा. 10, 12, 1, 4, 5, 8 अ.रा. 11, 2, 3, 6, 7, 9 शुभांक- 3, 5, 9.

मेष- लाभ के अच्छे अवसर सामने आयेंगे, पारिवारिक जबावदारी पूरी होगी, परीक्षा प्रतियोगिता में श्रम करने पर सफ्लता मिलेगी, अधिक विश्वास पीड़ादायक रहेगा.

वृषभ- परिवार में विरोध का सामना करना पड़ सकता है, भावुकता में निर्णय न लें, व्यवसायिक प्रयास सफ्ल होंगे, विशिष्टजनों का सहयोग रहेगा.

मिथुन- मन धन लाभ की नईयुक्तियों की ओर केन्द्रित रहेगा, कार्यक्षेत्र में सहकर्मी से मतभेद संभव, आलस्य त्याग करें, नवीन योजनाओं का शुभारंभ होगा.

कर्क- मन पर नियंत्रण रखकर अपने कर्त्तव्यों की ओर ध्यान दें, थोड़ा संयमी व धैर्यवान रहें, नवीन कार्य बनेगा, खानपान पर संयम रखें.

सिंह- नई सामाजिक व्यस्ततायें सामने आयेंगी, महत्वपूर्ण दायित्वों की पूर्ति हेतु प्रयास तीव्र होगा, आय से अधिक धन व्यय होगा, नई संपत्ति क्रय पर विचार होगा.

कन्या- धार्मिक एवं पारंपरिक कार्यो की ओर मन केद्रित होगा, रोजगार के क्षेत्र में आपकी क्षमता का लाभ होगा, भाग्यवर्धक समाचार की प्राप्ति होगी.

तुला- राजकीय क्षेत्र में क्रियाशील रहेंगे, प्रियजनों का सानिध्य मिलेगा, नई सफ्लता के आसार बढ़ेंगे, लाभ होगा. मनोरंजक यात्रा संभाव्य.

वृश्चिक- निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें, व्यर्थ के तनाव मन पर प्रभावी रहेंगे, आय से अधिक धन व्यय होगा, सोचे हुये कार्य में बाधा आयेगी.

धनु- पुराने कष्टों को भूलकर वर्तमान को बेहतर बनायें, खरीदी पर विशेष खर्च होगा, पारिवारिक सुख और शांति रहेगी, व्यापार में लाभ होगा.

मकर- नई आकांक्षायें मन को उद्वेलित करेंगी, पुराने संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी, आर्थिक चिन्ता रहेगी, पारिवारिक पीड़ा होगी. मित्रता उपयोगी रहेगी.

कुम्भ- जरूरी कार्य सार्थक होने का योग है, नौकरी में वातावरण सुखद रहेगा, मान सम्मान मिलेगा, शत्रुओं की गतिविधियों पर सतर्कता व नियंत्रण रखें.

मीन- छोटी सी बात से संबंधों में खटास आ सकती है, खर्च पर नियंत्रण रखें. वाहन आदि का प्रयोग करते समय सावधानी रखें. कार्यो में सफ्लता मिलेगी.

त्यापार भविष्य

कार्तिक शुक्ल अष्टमीं को उत्तराषाढ़ नक्षत्र के प्रभाव से सोना, चांदी, तांबा, पीतल, कपास के भाव में नरमी का रूख रहेगा, गुड़, खांड़, में समता रहेगी, गेहूँ, जौ, चना, मं मंदी रहेगी, जूटपाट बारदाना, के भाव में उठाव रहेगा, भाग्यांक 2614 है.

SUDOKU 7196

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7195

8	2	4	3	9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1